

आधार्मिक (von अधर्म) adj. *Unrecht tuend* P. 4, 4, 41, VArtt. — Vgl. अधार्मिक und अधार्मिक.

आधर्ष (von धर्ष mit आ) m. s. डुराधर्ष.

आधर्व (von धू mit आ) m. 1) *Aufrüttler, Erreger*: मत्तानि च साधने विप्राणां चाधुवम् RV. 10, 26, 4. — 2) viell. so v. a. आधवनीय oder die geschüttelte Masse, Mischung: पदमनुं प्रदिवो मध्वं आधुवे गुह्यं सत्तं मातरिश्वा मथायति 1, 141, 3.

आधवन (wie eben) n. *das Schütteln, Bewegen* Nir. 6, 29.

आधवनीय (von आधवन) m. *ein Gefäß, in welchem der Soma geschüttelt und gereinigt wird*, VS. 18, 21. TS. 3, 2, 2, 2. AIT. Br. 7, 32. ÇAT. Br. 3, 9, 2, 30. 4, 3, 5, 18. KĀTJ. ÇR. 9, 2, 30. 3, 21. 3, 6, 17. उन्नेताधवनीयं पवित्रमत्त-धाय पूनभृत्यासिञ्चति 7, 4. ऋजीषमश्रमंश्रुमभिषुणवति यथा कथा चानुद-कमाधवनीये करोति 10, 3, 13. 4, 10, 3, 1.

आधान (von धा, दधाति mit आ) n. 1) *das Anlegen, Zulegen, Legen* ÇAT. Br. 2, 1, 4, 29. तुलाधान 14, 2, 2, 33. समिदाधान KĀTJ. ÇR. 5, 5, 35. 6, 10, 9. 4, 10, 15. M. 2, 176. पूतिदाधीधान KĀTJ. ÇR. 4, 11, 1. 3, 6, 30. 10, 8, 6. Vgl. गर्भाधान. — 2) = अग्राधान (s. d.): भार्यये पूर्वमारिष्ये दक्षाम्नी-त्यकर्मणि । पुनर्दारक्रियां पुनराधानमेव च ॥ M. 3, 168 (KULL.: स्मार्ताग्नीन् श्रैताग्नीन्वा अद्ध्ययात्). रथं हरेते चाधुर्व्रह्माधाने (RĀGHAV.: कर्मणि, KULL.: केषांचिच्छाखिनामाधाने; gehört viell. zu 3.) च वाजिनम् । हेता वापि हरेद्दशमुद्गता चाप्यनः क्रये ॥ 8, 209. आधानपशुबन्धेष्टिमल्लपज्ञत-पक्रियाः । तत्प्रसादाद्वाप्यते ब्रह्मन्त्रविशां गणैः (die Sonne wird an-geredet) MBh. 3, 184. ततः स चक्रे भगवान्पीषां विधिस्तदा । सर्वेषां पु-नराधानं विधिदृष्टेन कर्मणा ॥ 8194. षडाधाने दन्तिषामाङ्गरेके 10663. — 3) = गर्भाधान *Empfängnis* Verz. d. B. H. No. 858 (III). 862 (258, 17).

Ind. St. 1, 89, 3 v. u. 2, 287, N. 2. केतकाधानहेतोः MBh. 3. — 4) *das Niederlegen als Pand, Verpfändung* JĀG. 2, 238. आधानं विक्रये वापि नयतः 247. Vgl. 1. आधि. — 5) *das Beilegen, Zuthellen, Anwenden*: गुणो विशेषाधानहेतुः सिद्धा वस्तुधर्मः SĀH. D. 10, 13. प्रजानां विनयाधानात् RAGH. 1, 24. प्रतिपत्त्रे गुणाधानम् P. 1, 3, 32, Sch. — 6) *der Ort, an welchem Etwas gelegt wird, in welchem Etwas ruht, sich befindet* ÇAT. Br. 14, 5, 2, 1 = BṚH. ĀR. UP. 2, 2, 1. Vgl. पक्काधान, पुरीषाधान. — 7) *Umfassung, Umfang*: तेषामाधानं पर्यति कर्षतम् RV. 10, 94, 8.

आधानिक (von आधान) n. *eine auf das गर्भाधान (s. d.) bezügliche Ce-remonie* TRIK. 2, 6, 12.

आधायाक (von धा, दधाति mit आ) adj. *zuteilend, ertheilend, herbei-führend*: रस एवात्मा साररूपतया जीवनाधायाको ऽस्य SĀH. D. 6, 22. व्यु-त्पत्त्याधायाकत्वात् 2, 3. उत्कर्षमात्राधायाकत्वं न तु स्वल्पाधायाकत्वम् 4, 12, 13.

आधार (von धर mit आ) m. P. 3, 3, 121, VArtt. 1) *Stütze, Stützpunkt, Unterlage* (auch bildlich) Nir. 1, 13. MBh. 3, 10053. Suçr. 2, 348, 2. वलभी (Dachstuhl) हृदिधारः H. 1011. प्लवता हि ममाधारं न करिष्यति मेदि-नी R. 5, 3, 77. गच्छ त्वं पुराणं प्रभुमव्ययम् । आधारं सर्वभूतानाम् 89, 39. Hit. I, 193. आधारभूता जगतस्त्वम् Drv. 11, 3. ÇĀNTIC. 2, 6. n. (1) KĀIV. UP. in Ind. St. 2, 12, 9. — 2) *Rückhalt* (?): न किल्विषमत्र नाधो ऽस्ति AV. 12, 3, 48. — 3) *Behälter, Behältnis*: वर्त्याधारं हेतुयोगाद्यथा दीपस्य संस्थितिः JĀG. 3, 165. तेजसश्चन्द्रं स्वादित्यस्य स (आमाशयः) चतुर्विधस्या-हारस्याधारः Suçr. 1, 78, 18. अपामिवाधारमनुत्तरंगम् Kumāras. 3, 48. ति-

ष्ठत्याप इवाधारे PAÑĀT. I, 77. चराचराणां भूतानां कुन्तिराधारतां गतः Kumāras. 6, 67. जलाधार H. 1096. JĀG. 3, 144. तोयाधार ÇĀK. 14. प्रसूते तु द्रवाधारे H. 598. जीवाजीवाधारक्षेत्रं लोकः 1365. कलिङ्गः पुरुषो युध्य-ति । अत्र पुरुषकलिङ्गयोरार्थाधारसंबन्धः SĀH. D. 13, 8. — 4) *Deich Damm* AK. 1, 2, 2, 28. H. an. 3, 521. MED. r. 114. आधारबन्ध RAGH. 5, 6 — 5) = शालवाल H. an. 3, 522. MED. Aus der Verbindung zweier ge-schiedener, aber auf einander folgender Artikel im AK. entstanden. — 6) आधारो ऽधिकरणम् *der Behälter* (einer Handlung heisset) अधि° (die Beziehung des Locativs) P. 1, 4, 45. Auf dieser Stelle beruht die Gleich-setzung von आधार mit अधिकरण H. an. MED. श्रौपश्रौषिका वैपयिका ऽभिव्यापकश्चेत्याधारस्त्रिधा । कट आस्ते । स्थात्यो पचति । मोन इच्छा-स्ति । सर्वस्मिन्नात्मास्ति । Siddh. K. 40, b. सामीप्याश्लेषविषयैर्व्यात्याधा-रश्चतुर्विधः Vop. 3, 30. जसाधारे कार्ये in der auf die Endung des nom. pl. bezüglichen Operation P. 1, 4, 32, Sch. Hier ist आधार schon ganz gleichbedeutend mit अधिकरण *Beziehung*. Auf dieselbe Weise ist das Wort vielleicht in प्राणाधार H. an. 4, 161 aufzufassen.

आधारक (von आधार) m. *Unterlage*: वस्त्राधारकोत्तमितकथाः Suçr. 2, 92, 8.

आधारण (von धर mit आ) n. *das Tragen, Halten*: रसाधारणं (andere Rec.: रसधारण) Nir. 7, 11.

आधार्मिक = अधार्मिक TRIK. 3, 1, 12. — Vgl. अधार्मिक.

आधाय (von धर mit आ) adj. *was aufzunehmen ist, dem ein Behälter anzuweisen ist oder angewiesen wird* SĀH. D. 13, 8 (s. u. आधार 3. am Ende).

आधर्व (von धू mit आ) m. *das Geschüttelte, durch Schütteln Gereinigte*: एतद्वा ऋषो नामधेयं गुह्यं पदाधावाः TS. 3, 3, 4, 1.

1. आधि (von धा, दधाति mit आ) m. Siddh. K. 248, a, pen. 1) *Standort, Lage* AK. 3, 4, 108. H. an. 2, 239. MED. dh. 3. — 2) *Depositum, Pfand* AK. H. 882. H. an. MED. कर्त्तव्यं द्राक्ष्यं आधिर्स्याः (?) RV. 10, 109, 3. M. 8, 143. न भोक्तव्यो बलादाधिः 144. 145. 149. 150. JĀG. 2, 23. Ind. St. 1, 246, N. आधितो नीतः Mit. 268, 9. — 3) = विशेषण *nähere Bestimmung, Epitheton* u. s. w. TRIK. 3, 3, 215. Vgl. आधान 5. und आधेय 1, c.

2. आधि (von ध्या, ध्यायति mit आ) m. 1) *Gedanken, Sorge, Seelen-leiden* AK. 1, 1, 2, 28. 3, 4, 100. H. 312. 1371. an. 2, 239. MED. dh. 3. Fast immer pl. und häufig in Verbindung mit व्याधि *körperliches Leiden*. VS. 22, 20. तस्याधेयो ऽस्मरसेः शोचयन्तीनाम TS. 3, 4, 2, 3. न तेषामा-पदः सन्ति नाधयो व्याधयस्तथा MBh. 3, 195. 11259. JĀG. 3, 63. आधिभिर्द-क्ष्यमानस्य N. 18, 11. आधिभिर्न प्रकम्पते वायुवेगैरिवाचलाः R. 3, 72, 8. पा-त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः ÇĀK. 93. मनोगतमाधिकेतुम् 89. आधिव्याधिशतैः BHARTR. 3, 34. आधिव्याधिप्रशमनम् MBh. 3, 69. श-मिताधि adj. RAGH. 8, 27. अनाधि adj. 9, 54. Entschiedenenes m. und sg. KATHAS. 6, 128: व्याधिर्दि भवेद्वाज्ञः प्रविशेषुश्चित्तसकाः । आधिर्वा यदि तत्रास्य कारणं नोपलभ्यते ॥ Vgl. आधी. — 2) *das Nachdenken über das Recht* (धर्मचिन्ता) TRIK. 3, 3, 215. — 3) *Erwartung, Hoffnung* TRIK. H. an. MED. — 4) *Unglück* (व्यसन) AK. 3, 4, 100. H. an. MED. — 5) *ein für den Unterhalt seiner Familie besorgter Mann* (कुटुम्बव्यापृत) TRIK.

आधिकरणिक s. अधि°.

आधिव्य (von अधिक) n. *Ueberschuss, Ueberfluss, Uebermaass; gros-ses Maass, hoher Grad; Uebergewicht, Ueberlegenheit* (vgl. अधिक): ए-